आधी रात को मैया तेरी हूँ

आधी रात को मैया तेरी हूँ
आधी रात को मैया तेरी
कुण्डी ना खड़कता मैं
कोई और सहारा होता तो दरबार
तेरे न आता मैं.....

शेरावाली माँ मुझे तेरा ही भरोसा
ज्योता वाली माँ मुझे तेरा ही भरोसा

बार बार तेरे आगे माँ हूँ
बार बार तेरे आगे माँ
झोली न फैलता मैं
कोई और सहारा होता तो दरबार
तेरे न आता मैं.....

घर घर घुमा दर दर भटका
कही न मिला ठिकाना माँ
कही न मिला ठिकाना माँ
तुझ सा कोई और न देखा
देखा सारा जमाना माँ
देखा सारा जमाना माँ.....

बार बार आने में मैया
थोड़ी लाज तो आती है
फिर ये सोच के आ जाता हूँ
खली ना लौटती है.....

तू हर बार ना देती माँ तो
क्यों उम्मीद लगता मैं
कोई और सहारा होता तो दरबार
तेरे न आता मैं.....

कौन है तेरे शिवा भवानी
जिसने जग को तारा है
जिसने तेरा ध्यम लगाया
उसका भाग्य सवार है.....

चंचल ना समझाता तो
ये बात समाझ न पता मैं ...२
कोई और सहारा होता तो दरबार
आधी.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/13581/title/adhi-raat-ko-maiya-teri-hu

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |